महात्मा ज्योतिबा फुले
रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

MAHATMA JYOTIBA PHULE ROHILKHAND UNIVERSITY, BAREILLY

पत्रांकः रू0वि0/समिति/एफ–03/2019/10087-90 दिनांकः 16.07.2019

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
(एम.जे.पी.आर.यू.,बरेली)

महोदय/महोदया,

कृपया मा0 प्रधानमंत्री, भारत सरकार को संबोधित श्री आशीष गौतम (संस्थापक/सी0ई0ओ0) अक्षिका आराध्या फाउन्डेशन, म0न0 54, महर्षि दयानन्द नगर, पीतल नगरी, मुरादाबाद के पत्र जो कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल के सन्दर्भ सं0 40013519007933 के माध्यम से इस विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ है। उक्त पत्र विद्यालयों/महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास हेतु कार्यशाला एवं सेमिनार कराने के सन्दर्भ में है।

श्री आशीष गौतम के पत्र की फोटो प्रति आपको इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि उक्त मे उल्लिखित बिन्दुओं पर अपने स्तर से नियमतः कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोपरि।

भवदीय
Pandey
(डा0 सुनीता पाण्डेय)
कुलसचिव

प्रतिलिपि–

1. निजी सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के संज्ञानार्थ प्रेषित।
2. समस्त विभागाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष विश्वविद्यालय परिसर, बरेली।
3. प्रभारी विश्वविद्यालय वेबसाइट।

/
कुलसचिव

जनसुनवाई

137

समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली, उत्तर प्रदेश

सन्दर्भ संख्या 40013519007933

पुरानी सन्दर्भ संख्या:-

लाभार्थी का विवरण

नाम	आशीष गौतम	पिता/पति का नाम	देवेंद्र कुमार शर्मा
मोबइल नंबर(१)	7599293266	मोबइल नंबर(२)	---
आधार कार्ड न.	33xxxxxxxx45	ई-मेल	ashish.st.vianneyschool@gmail.com
राज्य		जनपद	
तहसील		ब्लॉक	
ग्राम		थाना	
पता	वार्ड/मोहल्ला - Pital Nagri,नगर - Moradabad,तहसील - मुरादाबाद,जनपद - मुरादाबाद		

आवेदन पत्र का ब्यौरा

आवेदन पत्र का संक्षिप्त ब्यौरा	आदरणीय मुख्यमंत्री जी चरणस्पर्श विषय- प्रधानमंत्री कार्यालय से आये हुए प्रपत्र संदर्भ संख्या PMOPGE20190086215 के संदर्भ में। महोदय प्रार्थी के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी से पोर्टल के माध्यम से कौशल विकास हेतु संबाद किया गया था जो कि लखनऊ कार्यालय तक पहुंचा परन्तु उधर से कोई कार्यवाही नही की गई न ही कोई सूचना उसके उपरांत प्रार्थी को प्राप्त हो सकी है।सिर्फ मौखिक रूप से मोबाइल के माध्यम से बताया गया कि हमको ये पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त हुआ है इसका हमें क्या करना है? महोदय आपसे विन्रम आग्रह है कि उपरोक्त संदर्भ संख्या से सम्बंधित शिकायत का शीघ्र निस्तारण कर लाभान्वित करें। धन्यबाद। आपका आशीष गौतम		
संदर्भ दिनांक	23/04/2019	पूर्व सन्दर्भ(यदि कोई है तो))	
विभाग	उच्च शिक्षा विभाग	शिकायत श्रेणी	कालेजों/विश्वविद्यालयों में पठन-पाठन से सम्बन्धित

लाभार्थी का विवरण/ शिकायत क्षेत्र का

लाभार्थी द्वारा दिया गया फीडबैक

अग्रसारित विवरण-

नियत दिनांक

क्र.स.	सन्दर्भ का प्रकार	आदेश देने वाले अधिकारी	प्राप्त/आपत्ति दिनांक	नियत दिनांक	अधिकारी को प्रेषित	आदेश	स्थिति
1	अंतरित	ऑनलाइन सन्दर्भ	23 - Apr - 2019	23 - May - 2019	रजिस्ट्रार -एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली	-	कार्यालय स्तर पर लंबित

नोट- अंतिम कॉलम में वर्णित सन्दर्भ की स्थिति कॉलम-5 में अंकित अधिकारी के स्तर पर हुयी कार्यवाही दर्शाता है

परम आदरणीय,
प्रधानमन्त्री जी
चरण स्पर्श,

विषयः— विद्यालयों/महाविद्यालयों मे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु कार्यशाला एवं सेमिनार आयोजित कराने के सन्दर्भ में।

महोदय,

यह हमारे राष्ट्र एवं हमारे लिये सौभाग्य एवं गौरव की बात है कि आप भारत का नेतृत्व कर रहे हैं एवं हमारे राष्ट्र का चहुमुखी विकास दिन प्रतिदिन अत्यन्त तेजी से हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी नवाचारों को सम्मिलित किया जा रहा है परन्तु अनेक शिक्षण संस्थान ऐसे हैं जिनकों आज भी इन्हें अपनाने में अत्यन्त कठिनाई हो रही है। सर्वेक्षण करने पर यह ज्ञात हुआ कि शिक्षक संस्थानों के प्रमुख एवं शिक्षकों में स्वयं कौशलों की कमी है, जिसके कारण विद्यार्थियों में भी यह कमी निरन्तर बनी हुई है। सभी देश तेजी से प्रगति कर रहे हैं। वैश्वीकरण की प्रक्रिया निरन्तर गतिशील है परन्तु हमारे राष्ट्र के होनहार विद्यार्थी कौशल एवं व्यक्तित्व विकास के आभाव के कारण उतनी प्रगति नहीं कर पा रहे हैं, जितनी अधिक सम्भव है।

आप मेरे आदर्श है, आपके द्वारा लिखित एग्जाम वारियर्स एवं परीक्षा पर चर्चा 2.0 ने विद्यार्थियों के मानसिक दबाब को काफी कम किया है एवं सी0बी0एस0ई0 द्वारा विद्यालयों को जारी दिशा निर्देश, जिसमें विद्यार्थियों को शैक्षिक विकास के साथ–साथ उनके कौशल विकास पर भी कार्य करने के लिए कहा गया है, एक अत्यन्त सराहनीय एवं प्रसंशनीय कार्य है। पुनः प्रश्न उठता है कि जब अध्यापक में स्वयं कौशल नहीं होगें एवं उनका स्वयं का व्यक्तित्व विकास नहीं होगा तो वे विद्यार्थियों को कैसे कौशल प्रदान कर सकते हैं एवं उनका व्यक्तित्व विकास कैसे कर सकते हैं? सर्वक्षणों द्वारा यह भी ज्ञात हुआ कि शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में भी प्रशिक्षु अपनी उपस्थिति सुनिश्चित नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण भविष्य में और अधिक दुष्परिणामों का सामना करना पड़ेगा। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में भी प्रवक्ताओ, सहायक प्राध्यापकों की कमी है जिसका एक मुख्य कारण नैट(राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) एवं पीएच0डी0 की अनिवार्यता भी है, जिसके कारण प्रवक्ता एवं सहायक प्राध्यापक कागजों तक सीमित रह गये हैं तथा अनेक शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान भी ऐसे हैं जहाँ कार्यरत प्राध्यापकों में भी विभिन्न कौशल का आभाव है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए मैं अपने राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहता हूँ, और विद्यालयों, महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, अध्ययनरत् विद्यार्थियों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों के लिये कौशल विकास एवं व्यक्तित्व विकास हेतु निःशुल्क सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजित करने का अपना लक्ष्य निर्धारित किया है। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड़ विश्वविद्यालय से सम्बन्धित बी0एड0 पाठ्यक्रम में सम्मिलित Understanding The Self एवं एम0एड0 पाठ्यक्रम में सम्मिलित Self Development And Communication Skills की

भी औपचारिकता ही पूरी हो रही हैं, अधिकांशतः महाविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु कोई भी कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन नहीं कराते जिस कारण विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास नहीं हो पा रहा हैं। यदि आपकी अनुमति एवं आदेश होगे तब कोई भी संस्थान उपरोक्त कार्य हेतु अपनी अनिच्छा प्रकट नहीं करेगा।

महोदय उपरोक्त कार्य के लिए आप अपनी विशेष अनुमति प्रदान कर कृतार्थ करे ताकि मैं राष्ट्र निर्माण में अपनी सेवा दे सकूं।

आपकी अनुमति हेतु प्रतिक्षारत.....

आशीष गौतम
(संस्थापक / सी0ई0ओ0)
अक्षिका आराध्या फाउन्डेशन
म0न0 54, महर्षि दयानन्द नगर, पीतल नगरी मुरादाबाद।
मो0न0:–07599293266
08533033339